एचएलएल

समन्वया

अंक - 35, मार्च 2023

डॉ भारती प्रविण पवार, केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संघ राज्य मंत्री एचएलएल में

- विश्वसनीय और किफायती निवारक स्वास्थ्य रक्षा सेवाएं
- प्रयोगशाला परीक्षणों का पूरा स्पेक्ट्रम (नियमित और विशेषता दोनों)
- 24 X 7 सेवा
- नवीनतम प्रयोगशाला उपकरण और तकनीक
- टेली रेडियोलॉजी सुविधा
- निःशुल्क नैदानिक कार्यक्रमों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित करता है
- प्रमुख हवाई अड्डों पर कोविड़ परीक्षण/स्क्रीनिंग सुविधा

60%
तक की छूट

देखें / www.hindlabs.in

NABL
ACCREDITED LABORATORY

हिंदलैब्स
नैदानिक केन्द्र
एचएलएल की एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

विषय-सूची

हिंदी दिवस का संदेश	4
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	7
संपादकीय	8
नराकास (उपक्रम) को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार	9
स्वास्थ्यरक्षा के क्षेत्र में एचएलएल की सेवायें	10
नेमी टिप्पणियाँ	19
एचएलएल में संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण	21
एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन पर एक झलक	22
सृजनशीलता	32
ताज़ा खबर	41
पुरस्कार वितरण	46

9

10

21

23

अंक 35, मार्च 2023

संपादक मंडल

संरक्षक के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, **मुख्य संपादक** डॉ. रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), **संपादक मंडल** डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन उपाध्यक्ष (आई बी डी, एस पी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), डॉ. सुरेष कुमार. आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)
संपादकीय सहायक आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शनन
समन्वयक के.मुरलीधरन, सहायक प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार)
डिजाइनिंग श्रीजित.एस.एल, (कॉर्पोरेट संचार) **डिजाइनिंग सहायक** अलन जॉयल (कॉर्पोरेट संचार)
मुद्रक ओरंज प्रिंटेर्स, तिरुवनंतपुरम।

संपादित एवं प्रकाशित (केवल मुफ्त परिचालनार्थ) हिंदी विभाग, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाषः 2354949.
वेबः www.lifecarehll.com **फैक्सः** 0471-2358890

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड का कोई संबंध नहीं है।

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

हमारा देश सांस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। देश की भाषाई संपन्नता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने भारत के संविधान में भाषाओं के लिए अलग से आठवीं अनुसूची का प्रावधान किया जिसमें प्रारंभ में 14 भाषाएं रखी गयी थीं और अब इस अनुसूची में कुल 22 भाषाएं सम्मिलित हैं। भारत की सभी भाषाएं महत्वपूर्ण हैं और अपना समृद्ध इतिहास भी रखती हैं। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस के मन में विशेष स्थान प्राप्त किया है। यही कारण है कि आज़ादी के आंदोलन में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को संपर्क भाषा बनाकर आंदोलन को गति प्रदान की। 'स्वराज' प्राप्ति के हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में स्वभाषा का आन्दोलन निहित था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी की महती भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और देवनागरी लिपि को अपनाया। संविधान के अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश दिए गए हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायक नेतृत्व में आज जब पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रत्येक क्षेत्र में हम नई ऊर्जा के साथ नये संकल्प ले रहे हैं, ऐसे में यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि राजभाषा हिंदी को लेकर संविधान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए।

किसी लोकतांत्रिक देश में सरकारी कामकाज की भाषा तभी सार्थक भूमिका अदा कर सकती है जब वह देश के जन सामान्य से जुड़ी हो और प्रयोग करने में आसान हो, ज्यादा से ज्यादा लोग उसे समझते हों और जनसामान्य में लोकप्रिय हो। हिंदी की इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए 14 सितंबर 1949 के दिन हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसके साथ ही राजभाषा हिंदी में आवश्यकता के अनुसार शब्दावली निर्माण, वर्तनी के मानकीकरण किए गए और सरकारी कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन की नीति अपनाई गई। राजभाषा की इस विकास यात्रा में हमने कई लक्ष्य प्राप्त किए हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। विगत तीन वर्षों से प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकारी काम–काज में हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक करने के लिए गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयासरत है जिससे विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में हिंदी का काम–काज तेजी से बढ़ा है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि वर्तमान में गृह मंत्रालय में ज्यादातर कार्य हिंदी में किया जाता है तथा कई अन्य मंत्रालयों में माननीय मंत्री भी अपना अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में करते हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन की गति तीव्र करने और समय समय पर किए गए कार्यों की समीक्षा हेतु मई, 2019 में नई सरकार के गठन के पश्चात 57 मंत्रालयों में से 53 में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया है तथा निरंतर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। देश भर में विभिन्न शहरों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि से अब तक कुल 527 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा चुका है। विदेशों में लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट लुई में भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। राजभाषा कार्यान्वयन को और मजबूत करने की दिशा में संसदीय राजभाषा समिति अपनी सिफारिशों के दस खंड माननीय राष्ट्रपति जी को

प्रस्तुत कर चुकी है तथा 11 वां खंड शीघ्र ही सौंपा जा रहा है।

राजभाषा विभाग द्वारा 13–14 नवंबर, 2021 को बनारस में पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन तथा नई दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा संवर्ग के अधिकारियों के लिए पहला तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों से हिंदी प्रेमियों के उत्साह में अपार वृद्धि हुई है। यह और भी सुखद है कि हिंदी दिवस–2022 तथा द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजन गुजरात के सूरत शहर में हो रहा है।

गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील है। राजभाषा विभाग ने स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली 'कंठस्थ' का निर्माण और विकास किया है जिसमें आज लगभग 22 लाख वाक्य शामिल किए जा चुके हैं। इस टूल का प्रयोग सुनिश्चित कर सरकारी कार्यालयों में अनुवाद की गति एवं गुणवत्ता बढ़ाई गई है। राजभाषा विभाग द्वारा जन–साधारण के लिए **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप तैयार किया गया है जिसे अपनाकर 14 विभिन्न भाषा–भाषी अपनी–अपनी मातृभाषाओं से निःशुल्क हिंदी सीख सकते हैं। राजभाषा विभाग के 'ई–महाशब्दकोश' में 90 हज़ार शब्द सम्मिलित किए गए हैं और 'ई–सरल' हिंदी वाक्यकोश में 9 हज़ार वाक्य शामिल हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को नई शिक्षा नीति मिली जिसमें मातृभाषा में शिक्षा देने को प्राथमिकता दी जा रही है। राजभाषा विभाग ने अमृत महोत्सव के अवसर पर विधि, तकनीकी, स्वास्थ्य, पत्रकारिता तथा व्यवसाय आदि सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को शामिल करते हुए हिंदी से हिंदी **'बृहत शब्दकोश'** के निर्माण पर भी काम शुरु किया है और सुलभ संदर्भ के लिए एक अच्छे शब्दकोश का सृजन किया जा रहा है। इस तरह की उन्नत शब्दावली प्रशिक्षण, अनुवाद तथा शीघ्रता से ग्रहण करने में भाषा की जानकारी की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी।

हजारों वर्षों से भारतीय सभ्यता की अविरल धारा हमारी भाषाओं, संस्कृति और लोकजीवन में सुरक्षित रही है। भारत में स्थानीय भाषाओं का योगदान हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अतुलनीय रहा है। इन भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा से है जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित पल्लवित हुई हैं और जिन्होंने अपनी शब्द–संपदा, भाव संपदा, रूप, शैली और अपने पदों से हिंदी को लगातार समृद्ध किया है। **राजभाषा हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि उसकी सखी है और हमारी सभी भाषाओं का विकास एक दूसरे के परस्पर सहयोग से ही संभव है।**

प्रिय देशवासियो ! हिंदी दिवस के इस अवसर पर मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि आप और हम मिलकर यह संकल्प लें कि अपनी भाषाओं पर गर्व की अनुभूति करेंगे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश–विदेश के मंचों पर हिंदी में उद्बोधन देते हैं जिससे सभी हिंदी प्रेमियों में उत्साह का संचार होता है। आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रतिभाशाली नेतृत्व में आने वाले 25 वर्षों को देश में अमृतकाल के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में भाषाई समरसता को ध्यान में रखते हुए हिंदी तथा हमारी सभी भारतीय भाषाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है।

आइये, आज संकल्प लें कि अपने दैनिक कार्यों में, कार्यालय के कामकाज में अधिक से अधिक काम हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं में करके दूसरों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तथा संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति करेंगे।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को पुनः मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद!

नई दिल्ली

14 सितंबर, 2022

(अमित शाह)

संविधान की अष्टम अनुसूची में विनिर्दिष्ट भाषाएं

1. असमिया	6. गुजराती	11. मराठी	16. मणिपुरी	21. बोडो
2. उड़िया	7. तमिल	12. मलयालम	17. नेपाली	22.डोगरी
3. उर्दु	8. तेलुगु	13. संस्कृत	18. कोंकणी	
4. कन्नड़	9. पंजाबी	14. सिन्धी	19. मैथिली	
5. कश्मीरी	10. बंगला	15. हिंदी	20. संथाली	

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रूप में जारी किए जानेवाले दस्तावेज़

1. सामान्य आदेश	General Order
2. संकल्प	Resolution
3. नियम	Rules
4. अधिसूचना	Notification
5. प्रेस संसूचनायें/विज्ञप्तियाँ	Press Communiques/Releases
6. संविदा	Contracts
7. करार	Agreements
8. अनुज्ञप्तियाँ	Licenses
9. अनुज्ञापत्र	Permits
10. सूचना	Notice
11. निविदा प्रपत्र	Forms of Tender
12. निविदा सूचनायें	Tender Notices
13. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने वाले शासकीय कागज़ातें	Official Papers to be laid before a House or Houses of Parliament
14. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक और अन्य रिपोर्टें	Administrative and other reports to be laid before a House or Houses of Parliament

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

'हरेक व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर नज़र एवं अपनी मेहनत पर विश्वास रखकर, अपनी जीत का सपना देखते हुए, बडी उम्मीद से, उसे पाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।'

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यरक्षा उत्पाद एवं सेवाओं के विपणन पर केंद्रित केंद्र सरकार की मिनी रत्ना कंपनी है, जिसने वित्त वर्ष **2021 - 22** में रु.**122.47** करोड का लाभांश केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रदान किया। कंपनी एक लाभ दायक कंपनी के रूप में प्रचलित वर्ष **2022 - 23** में भी अपनी वृद्धि दर चिन्हित करने में सक्षम बन गया है। और आगे ग्राफीन कंडोम, टेली मेडिसिन, होम टेस्टिंग, महिलाओं की स्वास्थ्य स्वच्छता की ओर 'एम कप' का प्रोन्नमन, टी बी मुक्त भारत जैसी नूतन परियोजनाओं से समग्र स्वास्थ्यरक्षा समाधान कंपनी बनने के विहंगम दृष्टिकोण के साथ प्रगति के पथ की ओर अग्रसर हो रहा है। यह उपलब्धि एचएलएल के हरेक यूनिट, सहायक कंपनी, एचएलएल अनुसंधान एवं विकास केंद्र, एचएलएल परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी) और एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए) के सभी कर्मचारियों का एकजुड परिश्रम एवं टीम वर्क का परिणतफल है। दरअसल एचएलएल का सशक्त टीम आम जनता की स्वास्थ्यरक्षा के संरक्षण के लिए किसी भी परिस्थिति में अडिग रहता है। इसका स्पष्ट प्रमाण है कोविड महामारी के विकराल समय पर हमारे द्वारा दिया गया समर्थन।

इन सभी सेवाओं के साथ ही एचएलएल कंपनी एवं टोलिक के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर विकास लाने की ओर वैविद्यपूर्ण कार्यक्रम हिंदी में आयोजित कर रहा है। यानी, कंपनी के कर्मचारियों को अपना शासकीय काम हिंदी में भी करने को अपेक्षित ज्ञान एवं प्रशिक्षण देने के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस एवं अखिल भारतीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम, अखिल भारतीय राजभाषा सेमिनार, अखिल भारतीय हिंदी तकनीकी सेमिनार, स्मरण परीक्षा, वाक्पटुता कार्यक्रम, हिंदी प्रतियोगितायें, भारतीय भाषा कवि सम्मेलन आदि आयोजित करने के अतिरिक्त युवा पीढी के मन में हिंदी भाषा के प्रति लगाव पैदा करने की ओर कॉलेज विद्यार्थियों के लिए 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' विषय पर राज्य स्तरीय राजभाषा सेमिनार, केरल राज्य के कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि समय पर ही आयोजित करने में समर्थ निकला है। राजभाषा कार्यान्वयन प्रतिबद्धता के साथ करने के फलस्वरूप संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के दौरान कंपनी प्रशंसा का पात्र बन गया।

कंपनी से संबंधित बातों एवं राजभाषा से जुडी कार्यकलापों की पूरी जानकारी सही समय पर दूसरों तक पहूँचाने की ओर साल में दो बार एचएलएल से राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' प्रकाशित किया जाता है। जिसका पैंतीसवाँ अंक ई - पत्रिका के रूप में आपके सामने प्रस्तुत करने में मुझे बेहद खुशी है। मैं सुधी पाठकों से कामना करता हूँ कि इस पत्रिका का अवलोकन करके अपनी बहुमूल्य राय से हमें अवगत करायें ताकि हम अगले अंक को और भी आकर्षक एवं सारगर्भित बना सकें।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

बेजी जोर्ज

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

'हरेक की ज़िंदगी समस्याओं से भरी हैं, लेकिन जीवन में, ठीक समय पर सही तरीके से उसके सामना करने वालों की जीत होती है।'

यह बात विदित है कि राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्कभाषा, बाज़ारी भाषा आदि विविध आयामों में विराजित हिंदी भाषा भूमंडलीकरण के इस दौर में संचार माध्यम की भाषा के रूप में मीडिया के विविध आयामों को आपस में जुडाने में अहम भूमिका निभाती है। कारण है, आज के तकनॉलजी के ज़माने में ऑनलाइन प्लेटफोर्म पर पूरा का पूरा काम हम हिंदी माध्यम में भी कर सकते हैं। वास्तव में यह विश्वभाषा की हैसियत में आसीन हिंदी भाषा के विकास का द्योतक है।

इसके मद्देनज़र हम भी हिंदी तकनॉलजी के अद्यतन कार्यों के बारे में एचएलएल के सभी यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराने की ओर कंपनी में समयवार हिंदी तकनॉलजी कार्यशाला ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से आयोजित करके अपने अधिकांश कर्मचारियों को कंप्यूटर से हिंदी में काम करने के लिए सक्षम बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इसके बजाय, हम टोलिक (उपक्रम) के नेतृत्व में राज्य स्तरीय स्तर पर एवं दक्षिण क्षेत्रीय स्तर पर हिंदी तकनॉलजी प्रशिक्षण एवं हिंदी कंठस्थ प्रशिक्षण आयोजित करके अन्य टोलिकों के साथ मेलजोल करते हुए वहाँ के कर्मचारियों को भी इससे लाभ उठाने का अवसर देते हैं।

यह भी नहीं, राजभाषा नीति के बारे में हमारे कर्मचारियों को अद्यतन करने, उनके मन में अपना काम हिंदी में भी करने की अपनी सामाजिक एवं संवैधानिक जिम्मेदारी का बोध जगाने एवं इसके लिए एक अनुकूल वातावरण पैदा करने की ओर हम प्रचलित वर्ष में राजभाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम, हिंदी में तकनीकी सेमिनार, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें, भारतीय भाषा कवि सम्मेलन जैसे विभिन्न हिंदी कार्यक्रम समयवार आयोजित कर सके। हमने इन सभी कार्यक्रमों का पूरा विवरण अपनी राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' में समाहित करने की पूरी कोशिश की है।

मैं, एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के पैंतीसवाँ अंक ई - पत्रिका के रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हूँ, जिसमें कंपनी की परियोजनाओं एवं सेवाओं का भी उल्लेख किया गया है। मैं पाठकों से उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका के आगामी अंक को आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अनुग्रहीत करें।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

रॉय सेबास्टियन

डॉ.रॉय सेबास्टियन
उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)

नराकास (उपक्रम) को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) वर्ष **2015** यानी अपनी यात्रा के प्रथम चरण से केंद्र गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दक्षिण - पश्चिम क्षेत्र के केंद्र सरकार, उपक्रम एवं बैंक के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की राजभाषा हिंदी के सर्वोत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए लगाये गये क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार हासिल कर रही है। उल्लेखनीय है, टोलिक (उपक्रम) वर्ष **2020-21** और **2021-22** के क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (पहला स्थान) हासिल करने के लिए भी सक्षम बन गयी। **27** जनवरी, **2023** को टैगोर थियेटर, वषुतक्काड, तिरुवनंतपुरम में आयोजित दक्षिण - पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में वर्ष **2020-21** का क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (पहला स्थान) केरल के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान के करकमलों से एचएलएल के उपाध्यक्ष (तकनीकी एवं प्रचालन) श्री वी.कुट्टप्पन पिल्लै ने स्वीकार किया। राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के उपलक्ष्य में डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव नराकास (उपक्रम) को वर्ष **2020-21** और **2021-22** के लिए प्रशस्ति पत्र माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान द्वारा प्रदान किया गया।

एचएलएल मेन्स्ट्रुअल कप (एम कप) का लॉचिंग

एचएलएल, सरकार के परिवार नियोजन कार्यक्रम के समर्थन की ओर गर्भनिरोधकों के उत्पादन के लिए 1 मार्च 1966 को प्रारंभ हुआ। मुख्य क्षेत्रों यानी प्रजनन स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए और उसका विस्तार करते हुए, एचएलएल अस्पताल के उत्पादों, अस्पताल के अवसंरचना प्रबंधन, चिकित्सा उपकरण प्रापण परामर्श, नैदानिक सेवाओं, फार्मास्यूटिकल्स की खुदरा बिक्री आदि जैसे अन्य स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्रों में विविधता लाई।

इस विविधीकरण के क्षेत्र के और एक चरण के रूप में, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने महिलाओं की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा पर अतीव प्रमुखता देते हुए भारतीय एवं वैश्विक महिलाओं दोनों के लिए उपयोगी मेन्स्ट्रुअल कप के तीन ब्रांडों को लॉन्च किया। एचएलएल के कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र में 20.01.2023 को आयोजित समारोह के अवसर पर केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, डॉ.भारती प्रविण पवार द्वारा मेन्स्ट्रुअल कप के तीन ब्रांडों - "थिंकल, वेलवेट, कूल कप"- को लॉच किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में मंत्री ने कहा कि मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन में मेन्स्ट्रिअल कप एक बडी सफलता है। यह पर्यावरणानुकूल एवं उपयोग में सुविधाजनक है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र में एचएलएल के विशाल अनुभव को देखते हुए, एचएलएल एम कप, इस खंड में अग्रणी होने की उम्मीद रखती है।

"मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि एचएलएल जिस भी क्षेत्र में काम करता है, चाहे वह गर्भनिरोधक, ब्लड बैग, फार्मा या स्वास्थ्य रक्षा सेवा खंड हो,

एचएलएल ने उच्च गुणवत्ता एवं सेवा मानकों का पालन किया है। उन्होंने जोडा कि एचएलएल देश के मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों की मदद करने के लिए एक मज़बूत मिशन के साथ कार्य कर रहा है, जो एकदम प्रशंसनीय एवं सराहनीय ही है।

श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक-एचएलएल, श्री टी.राजशेखर-निदेशक (विपणन), डॉ. गीता शर्मा-निदेशक (वित्त), डॉ.अनिता तंपी, निदेशक(तकनीकी एवं प्रचालन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी इस अवसर पर मौजूद थे।

मंत्री ने एचएलएल की आक्कुलम फैक्टरी का दौरा करके वहाँ के प्रचालन की समीक्षा की। आक्कुलम फैक्टरी में ब्लड बैग, सर्जिकल स्यूचेर्स और अन्य अस्पताल उत्पादों और आईयूसीडी एवं ट्यूबल रिंग जैसे गर्भनिरोधक का विनिर्माण चल रहा है।

थिंकल, मासिक धर्म कप का सीएसआर ब्रांड है, वेलवेट, देशीय ब्रांड है और कूल कप, मध्य-पूर्व, लैटिन अमेरिका, एशिया और अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में बेचे जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मासिक धर्म कप मेडिकल ग्रेड सिलिकॉन सामग्री से बनाया हुआ एक स्थायी और पुनः प्रयोज्य उपकरण है जिसे मासिक धर्म के द्रव पदार्थ को इकट्ठा करने की ओर योनि में रखने के लिए डाला जा सकता है। एचएलएल मासिक धर्म के लिए एक सुरक्षित समाधान के रूप में उच्च गुणवत्तावाले किफायती मासिक धर्म कप प्रदान करता है।

एम कप, मेडिकल ग्रेड सिलिकॉन सामग्री और प्लेटिनम से बना हुआ है। साइटोटोक्सिसिटी से मुक्त होने के लिए एचएलएल एम कप का परीक्षण और अनुमोदन किया जाता है। यह उत्पाद योनि की जलन से मुक्त है, जिससे उपयोगकर्ता को आसान और आरामदायक एहसास होता है। मासिक धर्म प्रबंधन के अन्य तरीकों की तुलना में मासिकधर्म कप के कई फायदे हैं जैसे कि पीरीयड रैशेज़, स्किन एलर्जी, इंफेक्शन और लीकेज से बचाव और मासिक धर्म के दौरान लगभग सभी शारीरिक गतिविधियों में भागीदारी। एचएलएल के एम कप की मुख्य विशेषता है यह न्यूनतम 5 साल और अधिकतम 10 साल तक पुनः प्रयोज्य है। सैनिटरी नैपकिन के कारण होनेवाले कचरे के उन्मूलन से पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित होता है।

एचएलएल प्रतीक्षा छात्रवृत्ति

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड की प्रतीक्षा धर्मार्थ सोसाइटी ने 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के लिए पेशेवर एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट छात्रों से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। प्रतीक्षा धर्मार्थ सोसाइटी बीपीएल श्रेणी के छात्रों के लिए एचएलएल की सीएसआर पहल है। यह योजना मेडिसिन (एमबीबीएस), इंजीनियरिंग, बी.फार्म, डिप्लोमा, नर्सिंग और आईटीआई पाठ्यक्रम करने वालों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जो केरल के भीतर किसी भी शैक्षणिक संस्थान में अध्ययन कर रहे मुख्य रूप से तिरुवनंतपुरम जिले के छात्रों के लिए और कर्नाटका के कनगला के छात्रों के लिए, जो कर्नाटक के भीतर किसी शैक्षणिक संस्थान में पढ रहे हैं।

पाँच चयनित प्रत्येक एमबीबीएस छात्र को रु.30,000/- का वार्षिक अनुदान देगा और इंजीनियरिंग के लिए छात्रवृत्ति चाहनेवाला छात्रों को रु.20,000/- दिया जायेगा। बी फार्म, डिप्लोमा व नर्सिंग पाठ्यक्रम करनेवाले प्रत्येक छात्र को रु.10,000/- और आईटीआई करनेवाले छात्रों को पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर सालाना रु.5000/- मिलेंगे।

वर्ष 2014 में लॉच किए गए प्रतीक्षा धर्मार्थ पहल के तहत, एचएलएल ने केरल में तिरुवनंतपुरम और कर्नाटका में कनगला के बीपीएल श्रेणी के अकादमिक रूप से उत्कृष्ट विविध पेशेवर एवं तकनीकी पाठ्यक्रम कर रहे 237 छात्रों को रु.98.25 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की। एचएलएल कर्मचारियों द्वारा प्रवर्तित प्रतीक्षा धर्मार्थ सोसाइटी, प्रतीक्षा का कार्यान्वयन फोरम है। सोसाइटी के लिए निधि, कर्मचारियों के व्यक्तिगत योगदान और कंपनी की सीएसआर निधि से जुटाए जाते हैं।

पिछले वर्षों में छात्रावृत्ति पानेवाले छात्रें के साथ इस वर्ष 2022-23 बैच के 30 छात्रों को अनुदान दिया जाएगा। उम्मीदवारों का चयन शैक्षणिक निष्पादन और वित्तीय पृष्ठभूमि के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक आवेदकों को 10वीं और 12वीं की मार्कशीट, संस्था के प्रधान से बोनाफाइड छात्र प्रमाणपत्र आदि के साथ संबंधित अधिकारियों द्वारा मूल आय प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। छात्रवृत्ति के लिए चयनित उम्मीदवारों को योजना का लाभ जारी रखने के लिए अपनी वार्षिक शैक्षणिक निष्पादन रिपोर्ट और मार्कशीट प्रस्तुत करना चाहिए ।

आवेदन पत्र एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के कार्यालयों में उपलब्ध है या www.lifecarehll.com से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

एचएलएल से रु.122.47 करोड का लाभांश भारत सरकार को

केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के परिवार नियोजन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में गर्भनिरोधकों का उत्पादन करके 1 मार्च 1966 को प्रारंभित मिनी रत्ना उद्यम एचएलएल लाइफ़केयर लिमिडेट (एचएलएल) ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए भारत सरकार को रु. 122.47 करोड रुपए का लाभांश दिया है।

नई दिल्ली के निर्माण भवन में आयोजित समारोह में एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को रु.122.47 करोड का चेक दिया। इस अवसर पर डॉ.भारती प्रविण पवार, राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डॉ.राजेश भूषण आईए एस, सचिव - स्वास्थ्य, श्री टी राजशेखर, निदेशक (विपणन), डॉ गीता शर्मा, निदेशक (वित्त) और डॉ अनिता तंपी, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) एचएलएल और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण अपस्थित थे।

एचएलएल ने वर्ष 2021 - 22 के दौरान रु. 35,668 करोड का व्यपारावर्त और रु.551.81 करोड का कर पूर्व लाभ का रिकॉर्ड दर्ज किया। महामारी के दौरान एचएलएल और वहाँ के कर्मचारियों के समर्थन की सराहना करते हुए डॉ मंडविया ने कहा, "एचएलएल ने कोविड - 19 महामारी प्रबंधन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सहायता करते हुए आपातकालीन चिकित्सा आपूर्तियों के प्रापण एवं वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक नोडल एजेंसी के रूप में एचएलएल ने संकट के वास्तविक समय प्रबंधन को सक्षम किया है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ भारती प्रविण पवार ने एचएलएल को अपनी उपलब्धि के लिए बधाई दी और महामारी के दौरान अपने प्रयासों की भी सराहना की।

श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने एचएलएल में विश्वास जताने और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा भारत सकार के विभिन्न विभागों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए मंत्रालय को धन्यवाद दिया।

आईओसी और एचएमए संयुक्त रूप से प्रारंभित एक अनूठी पहल - "स्वास्थ्य"

सामाजिक जिम्मेदारी के भाग के रूप में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और एचएलएल प्रबंधन अकादमी - एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड की शैक्षिक और सामाजिक विकास पहल - ने संयुक्त रूप से महिलाओं केलिए नवीनतम अनीमिया नियंत्रण परियोजना "स्वास्थ्य" नाम पर प्रारंभ की। इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन एर्नाकुलम कलमशेरी में आयोजित ओप्पम सूपर स्पेश्यालिटी मेडिकल शिविर में केरल के उद्योग, कानून और कॉयर मंत्री श्री पी राजीव द्वारा किया गया।

आई ओ सी द्वारा वित्तपोषित इस परियोजना का उद्देश्य है इसके लिए अपेक्षित जागरूकता पैदा करना और अनीमिया प्रबंधन की ओर आवश्यक मार्गनिर्देश और उपचार देना। अनुमान है कि एर्नाकुलम जिले में लागू की गई "स्वास्थ्य" परियोजना 15,000 महिलाओं तक पहूँचेगी।

अनीमिया भारत में बढ़ती हुई एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है, जो महिलाओं को प्रभावित करने वाला एक लंबा और अपरिचित मुद्दा बना हुआ है। रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होने पर अनीमिया से पीडित हो जाती है। इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता पर विनाशकारी प्रभाव पडता है। यह सभी आयु समूहों में बहुत आम है, भारत में प्रजनन महिलाओं के बीच में किए गए अध्ययन से, यह पाया गया है कि उनमें आयरन की कमी का प्रसार अधिक है, जिसके कारण गर्भाशय रक्तस्राव जैसी गंभीर स्थिति होने की संभावना है।

स्वास्थ्य का उद्देश्य है अनीमिया को रोकने में संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ साथ पोषक आहार पूरक और आयरन युक्त भोजन वितरित करना। स्वास्थ्य के तहत लक्षित क्षेत्रों में मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिवर में तीन सत्र होंगे - स्वास्थ्य जागरूकता, निदान सत्र और प्रबंधन सत्र। यह परियोजना स्थानीय विशिष्ट समूहों जैसे एसएचजी, आशा कार्यकर्ता, एनजीओ आदि के सहयोग से संचालित होगी।

हिन्दलैब्स की डायग्नोस्टिक सेवाओं के लिए 20% से 60% की छूट

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन के एक केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमहै, जिसका डायग्नोस्टिक श्रृंखला है हिन्दलैब्स। यहाँ सभी प्रकार के रक्त जाँच **20%** से **60%** तक की छूट में दिए जाते हैं। आम लोगों को इसकी फायदा प्रदान करने के उद्देश्य से केरल के हर जिले के विविध जगहों पर इसकी शाखा खोली गयी है। तिरुवनंतपुरम जिले के कवडियार, जनरल अस्पताल जेक्शन, पुलयनारकोट्टा, पेरूरकडा, वट्टियूरकावु, नेडुमंड़ाड, तिरुमला ,पेयाड, मणक्काडु आदि जगहों पर हिन्दलैब्स संग्रह केंद्र कार्यरत है। तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज के पास हिन्दलैब्स डायग्नोस्टिक्स एवं स्पेशियालिटी क्लिनिक, एसएटी अस्पताल में हिन्दलैब्स एमआरआई स्कान सेंन्टर और नेय्याट्टिनकरा जनरल अस्पताल में सी टी स्कान भी है। अब पूरे भारत में **281** हिन्दलैब्स हैं। इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए आप इन फोन नंबरों में **9188900121, 9188900125** संपर्क करें। हाल ही में तिरुवनंतपुरम जिले के बालरामपुरम, पाप्पनमकोड एवं वेट्टुक्काडु में इसकी नयी शाखायें प्रारंभ की गयी।

पाप्पनमकोड में प्रारंभित हिंदलैब्स क्लिनिकल लैब का उद्घाटन मेलांकोड वार्ड कॉन्सिलर श्रीमती श्रीदेवी.एस.के और पाप्पनमकोड वार्ड कॉन्सिलर श्रीमती आशा नाथ.जी.एस ने संयुक्त रूप से किया। इस समारोह में श्री एस.एम.उण्णिकृष्णन (उपाध्यक्ष, आईबीडी, सीसी & एसपी), डॉ.राजमोहन (उप महा प्रबंधक, मेडिकल लैब परियोजना) आदि ने भाग लिये।

बालरामपुरम के नये हिन्दलैब्स क्लिनिकल लैब का उद्घाटन बालरामपुरम ग्राम पंचायत अध्यक्ष श्री वी.मोहनन और पल्लिचल ग्राम पंचायत अध्यक्षा श्रीमती टी.मल्लिका द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर बालरामपुरम ग्राम पंचायत स्वास्थ्य-शिक्षा स्टैटिंग समिति अध्यक्ष श्री रजितकुमार, डॉ.राजमोहन (उप महा प्रबंधक, मेडिकल लैब परियोजना) आदि भी उपस्थित थे।

वेट्टुकाड में शुरू हुई हिन्दलैब्स क्लिनिकल लैब का उद्घाटन वेट्टुकाड चर्च के पुरोहित डॉ.जोर्ज. जे.गोमस ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ.राजमोहन (उप महा प्रबंधक, मेडिकल लैब परियोजना) की उपस्थिती हुई। शखुंमुखम, वलियतुरा, वेली, कोच्चुवेली, चाक्का, कण्णमतुरा आदि जगहों के निवासियों को इस लैब की सेवाएं मिलेंगी।

COVID-19 TEST
POSITIVE
NEGATIVE

डॉ अनिता तंपी-
एचएलएल के नए तकनीकी निदेशक

डॉ. अनिता तंपी, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक मिनी रत्ना केंद्र सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के तकनीकी एवं प्रचालन के नए निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। विभिन्न क्षेत्रों में तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, वे वर्तमान में एचएलएल - कॉर्पोरेट आर & डी के उपाध्यक्ष और एचएलएल के शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास प्रभाग - एचएलएल प्रबंधन अकादमी के सीईओ के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने पहले एचएलएल की सहायक कंपनी गोवा एंटीबायोटिक्स और फार्मास्यूटिक्ल्स लिमिटेड (जीएपीएल) के सीईओ का काम संभाला।

डॉ अनिता तंपी ने केरल विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और आईआईटी मुंबई से एम टेक एवं पीएचडी उपाधि प्राप्त की है।

उन्होंने 1991 में कार्यपालक प्रशिक्षार्थी के रूप में एचएलएल में कार्यभार ग्रहण किया और प्रचालन, अनुसंधान एवं विकास और सामाजिक परियोजना सहित विभिन्न कार्यक्षेत्र संभाला है। उन्होंने एचएलएल के नवाचार मासिक धर्म कप वितरण एवं जागरूकता परियोजना - "थिंकल" के लॉचिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसे जनता द्वारा अपनायी गयी है।

वे एक मशहूर कवि, निबंधकार और अनुवादक हैं और 2021 के केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता भी हैं। उनके पति श्री अजयकुमार एन्र्स्ट & यंङ में वरिष्ठ डिज़ाइनर हैं। इनकी इकलौती बेटी है मीनाक्षी।

वर्तमान में एचएलएल ग्रूप में पाँच संस्थाएं हैंः मूल कंपनी एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड;एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेस लिमिटेड (हाइट्स);लाइफस्प्रिंग अस्पताल; गोवा एंटीबायोटिक्स और फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (जीएपीएल); हिन्दुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी) और एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए)।

नेमी टिप्पणियाँ

Above Sited	ऊपर उद्धृत।
Agenda is enclosed	कार्यसूची संलग्न है।
As early as possible	यथाशीघ्र
Bring into notice	ध्यान में लाना
Case discussed	मामले पर चर्चा की गई
Copy enclosed	प्रतिलिपि संलग्न
Confirmation Letter	पुष्टि पत्र
Delay regretted	विलंब के लिए खेद है।
Do the needful	आवश्यक कार्रवाई करें।
Entered in the Register	रजिस्टर में दर्ज किया गया।
Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई
For Signature	हस्ताक्षर के लिए।
Give details	विस्तृत जानकारी दें।
Here after	इसके बाद
It is suggested	यह सुझाव दिया जाता है।
Joining Report	कार्यग्रहण रिपोर्ट
Matter is under consideration	मामला विचाराधीन है।
Minutes of meeting	बैठक का कार्यवृत्त
Necessary arrangements are being made	आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।
Necessary steps should be taken	आवश्यक कार्रवाई की जाए।
Please discuss	कृपया चर्चा करें
Recommended for Sanction	मंजूरी के लिए सिफारिश की जाती है
Reminder may be sent	अनुस्मारक भेजा जाए।
Under consideration	विचाराधीन
With respect	सादर
We have no further comments	हमें आगे कुछ नहीं कहना है।

एचएलएल शब्दावली

Objection	आपत्ति
Objective	उद्देश्य
Obligation	बाध्यता
Obselete stock	अप्रचलित
Observance	पालन
Observation	प्रेक्षण
Occasional	यदाकदा
Occupation	व्यवसाय
Occurrence	घटना
Off day	छुट्टी का दिन
Offence	अपराध
Office copy	कार्यालय प्रति
Office memorandum	कार्यालय ज्ञापन
Office note	कार्यालय टिप्पणी
Office order	कार्यालय आदेश
Officer	अधिकारी
Official	पदधारी
Official capacity	पदीय क्षमता
Official duty	पदीय कर्तव्य
Official language	राजभाषा
Official report	सरकारी रिपोर्ट
Official tour	शासकीय दौरा
Omission	चूक
Opening balance	अथ शेष
Opening stock	आरंभिक स्टॉक
Operation	प्रचालन
Opinion	राय
Opportunity	अवसर
Opposition	विरोध
Oral	मौखिक
Order	आदेश
Order of appointment	नियुक्ति आदेश
Order of seniority	वरिष्ठता क्रम

एचएलएल में संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण

एचएलएल सहित विविध केंद्र सरकार के कार्यालयों द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किये गये कार्यों का निरीक्षण करने के लिए संसदीय राजभाषा समिति द्वारा 5 जनवरी 2023 को मून्नार के वैब रिसोर्ट में राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस निरीक्षण कार्यक्रम में तीन सांसद उपस्थित थे। एचएलएल की तरफ से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, निदेशक (वित्त) डॉ.गीता शर्मा, उपाध्यक्ष (एच आर) डॉ.रॉय सेबास्टियन, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) डॉ.वी.के. जयश्री और वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने भाग लिया। इस अवसर पर एचएलएल की ओर से राजभाषा प्रदर्शनी भी रखी थी। संसदीय राजभाषा समिति ने एचएलएल द्वारा राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की प्रगति के लिए किये गये कार्यों एवं राजभाषा प्रदर्शनी की खूब सराहना की।

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन पर एक झलक

हिंदी पखवाडा समारोह - 2022

हिंदी प्रतियोगिता

आप सब जानते हैं, हर साल सितंबर 14 को केंद्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों एवं उपक्रमों में हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडा समारोह का उद्घाटन और बाद में वैविद्यपूर्ण हिंदी कार्यक्रम धूमधाम से मनाया जाता है। लेकिन इस बार भारत भर के केंद्र सरकारी कार्यालयों के हिंदी दिवस/पखवाड़ा समारोह - 2022 का उदाघाटन माननीय केंद्र गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा 14 सितंबर 2022 को गुजरात के सूरत में शानदार ढंग से किया गया। उद्घाटन समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) डॉ.वी.के.जयश्री और वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने भाग लिया।

आगे, 18 सितंबर, 2022 से कंपनी की पेरूरकडा फैक्टरी में हमारे कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगितायें एवं कार्यकलापों का शुभारंभ हुआ। 18 सितंबर, 2022 प्रातः 10.00 बजे से पेरूरकडा फैक्टरी में कर्मचारियों के बच्चों के लिए विविध हिंदी प्रतियोगितायें - निबंध लेखन, अनुवाद, वक्तृता, हिंदी कविता पाठ, श्रुत लेखन, सुलेख, देशभक्ति गीत, फिल्मी गीत आयोजित की गयीं। इनमें प्राइमरी, हाई स्कूल और कॉलेज स्तर से 14 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। आगे 20 सितंबर, 2022 प्रातः 10.00 बजे से कर्मचारियों के लिए आयोजित निबंध लेखन, अनुवाद, टिप्पण व आलेखन, हिंदी लघु कहानी, वक्तृता, हिंदी कविता पाठ, समाचार वाचन, देशभक्ति गीत, फिल्मी गीत प्रतियोगिताओं में 31 कर्मचारियों की भागीदारी हुई।

वाक्-पटुता कार्यक्रम

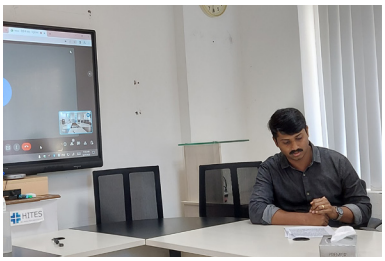

कंपनी के कर्मचारियों के लिए 27 सितंबर, 2022 को प्रातः 10.30 बजे को ऑनलाइन/ऑफलाइन के ज़रिए ""महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा पर एचएलएल की भूमिका"" विषय पर हिंदी में वाक्-पटुता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।

हिंदी पखवाडा का समापन समारोह और हिंदी संगीत संध्या

कंपनी के हिंदी पखवाडा का समापन समारोह और हिंदी संगीत संध्या 26 अक्तूबर 2022 को अपराह्न 03.00 बजे को सर्गम हॉल, पेरूरकडा फैक्टरी, तिरुवंतपुरम में आयोजित किया गया। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस की अध्यक्षता में डॉ. बिजु जेकब आई ए & ए एस, प्रधान महालेखाकार ने इस समारोह का उद्घाटन किया। मुख्यातिथि ने अपने भाषण में कहा कि "अनेकता में एकता" में विश्वास रखने वाले भारत के बहुभाषी लोगों को एक साथ लाने के लिए हिंदी जैसी संपर्क भाषा समझना, बोलना एवं

लिखना अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन के लिए एचएलएल का योगदान सराहनीय है। इस अवसर पर सम्माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के हिंदी दिवस का संदेश क्रमशः श्रीमती स्मिता एल. जी, महा प्रबंधक (प्रचालन) & यूनिट प्रधान, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी और डॉ. सुरेष कुमार. आर, प्रबंधक (राजभाषा) ने पढा।

आगे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. बेजी जोर्ज आईआरटीएस और मुख्यातिथि डॉ. बिजु जेकब आई ए & ए एस, प्रधान महालेखाकार, केरल के द्वारा संयुक्त रूप से एचएलएल की राजभाषा पत्रिका ""समन्वया"" के चौंतीस अंक का विमोचन कार्य किया गया।

कंपनी के कर्मचारियों एवं उनके परिवारवालों के मन में हिंदी का परिवेश लाने को लक्ष्य कर हमने कंपनी में विविध प्रकार की प्रोत्साहन योजनायें कार्यान्वित की हैं। इस के मद्देनज़र गत वर्ष में एसएसएलसी/सीबीएससी/आईसीएससी,+2, परीक्षाओं में हिंदी विषय में 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त 5 कर्मचारियों के बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। इसके अलावा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, स्मरण परीक्षा, हिंदी वाक्-पटुता, हिंदी पखवाडा के सिलसिले में आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं (कर्मचारी एवं उनके बच्चे) और भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित पारंगत परीक्षा में उत्तीर्ण हुए कंपनी के अधिकारी को डॉ. बिजु जेकब आई ए & ए एस, प्रधान महालेखाकार ने नकद पुरस्कार वितरित किए।

राजभाषा चलवैजयंती

कंपनी के यूनिटों के बीच में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढाने के लिए संस्थापित राजभाषा चलवैजयंती के लिए इस बार पेरूरकडा फैक्टरी विनिर्णीत किया गया। यह पुरस्कार मुख्य अतिथि डॉ. बिजु जेकब आई ए & ए एस के करकमलों से पेरूरकडा फैक्टरी के महा प्रबंधक (प्रचालन) एवं यूनिट प्रधान श्रीमती स्मिता एल.जी ने हासिल किया। साथ ही डॉ रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) ने आशिर्वाद भाषण दिया। सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) डॉ. वी.के जयश्री और संयुक्त महा प्रबंधक श्रीमती एस.वी.बानु ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता का काम संभाला। डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने कंपयरिंग किया। उद्घाटन के बाद आयोजित हिंदी संगीत संध्या में एचएलएल के कर्मचारियों ने हिंदी फिल्मी गीत गाया, जो एकदम आनंददायक था।

आज का विचार

एचएलएल के सभी यूनिटों एवं सहायक कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रोज हिंदी में एक वाक्य पढने का अवसर प्रदान करते हुए उनके मन में हिंदी भाषा के प्रति रुचि पैदा करने और इस प्रकार अपना कार्यालयीन काम हिंदी में भी करके हिंदी विभाग को समर्थन देने का मनोभाव पैदा करने के विचार से 'आज का विचार' शीर्षक पर महान व्यक्तियों के उद्धरण सभी कर्मचारियों के ई - मैल के माध्यम से रोज़ अग्रेषित किया जाता है। इसके बारे में देश भर के हमारी यूनिटों के कर्मचारियों से अच्छी प्रतिक्रियायें मिल रही हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह

पहले के समान इस साल में भी कंपनी में गणतंत्र दिवस समारोह रंगीले तरीके से मनाया गया। इस दिवस के राष्ट्रीय महत्व को मानते हुए कंपनी के विविध यूनिटों के राजभाषा प्रोन्नमन की प्रगति की ओर संस्थापित अग्रणी अनुभाग पुरस्कार और टिप्पण एवं आलेखन पुरस्कार इस अवसर पर कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस महोदय द्वारा वितरित किया गया। एचएलएल निगमित

मुख्यालय के लिए अग्रणी अनुभाग पुरस्कार (रोलिंग शील्ड एवं नकद पुरस्कार) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने निगमित मुख्यालय के सुरक्षा अनुभाग के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री तंपी एस दुर्गादत्त आई पी एस और पर्यवेक्षक (सुरक्षा) श्री षाजी वर्गीस को और टिप्पण एवं आलेखन के लिए नकद पुरस्कार श्रीमती ओमना. के.के,अधिकारी 5, श्री रतीष.आर, अधिकारी 2 और श्रीमती धन्या. सी. एस, कार्यालय सहायक को प्रदान किया।

स्मृति परीक्षा

कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन को बढाने के लिए "रोज़ एक शब्द पढिए कार्यक्रम" के अधीन हम प्रति दिन कंप्यूटर के आई पी मेसेंजर एवं स्वागत कक्ष में रखे एलसीडी के माध्यम से एक हिंदी एवं समानार्थी अंग्रेज़ी शब्द देते हैं और उन शब्दों के आधार पर माहवार स्मृति परीक्षा आयोजित की जाती है। इस कार्यक्रम में कंपनी के अधिक कर्मचारियों की भागीदारी होती है। यह कार्यक्रम

कंपनी के सभी यूनिटों में प्रति माह आयोजित करके कंपनी के किसी समारोह के अवसर पर प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम

कंपनी के तिरुवनंतपुरम के विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा नीति के बारे में जागरूकता प्रदान करते हुए अधिकाधिक काम हिंदी में भी करने के लिए प्रेरित करने की ओर **17.12.2022** को एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी में आयोजित राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम में एसबीआई, तिरुवनंतपुरम के उप प्रबंधक (राजभाषा), श्री सुमेष.पी.के ने क्लास लिया। उन्होंने राजभाषा अधिनियम एवं नियमों की व्याख्या देने के साथ ही हिंदी टिप्पण एवं आलेखन पर अभ्यास भी कराया। इस कार्यशाला में कंपनी के विविध यूनिटों एवं कार्यालयों के **25** कर्मचारियों की भागीदारी हुई।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस और अखिल भारतीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के सिलसिले में एचएलएल के विविध यूनिटों और सहायक कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना शासकीय काम हिंदी में भी करने के लिए प्रोत्साहित करने व इसके लिए अपेक्षित प्रशिक्षण देने की ओर **21.02.2023** को निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में ऑफलाइन/ऑनलाइन के ज़रिए अखिल भारतीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) ने क्लास का संचालन किया। इसमें एचएलएल के विभिन्न यूनिटों के **52** कर्मचारियों की भागीदारी हुई। डॉ. सुरेष कुमार. आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने सब का स्वागत किया।

कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय राजभाषा सेमिनार

एचएलएल - निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 04.03.2023 को 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' विषय पर कॉलेज विद्यार्थियों के लिए आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय राजभाषा सेमिनार का उद्घाटन एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (सीएएस) श्री संतोष चेरियान ने किया। उन्होंने अपने भाषण में राजभाषा से विद्यार्थियों को हिंदी पढने की आवश्यकता पर ज़ोर देने के साथ ही एचएलएल की सेवाओं के बारे में उनको अवगत कराने की पूरी कोशिश की। डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) एवं डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला। इस सेमिनार में केरल के विविध कॉलेजों से 18 छात्र - छात्राओं ने पेपर प्रस्तुत किया और कई छात्रों ने सेमिनार में भाग लिये। कुमारी क्रिस्टीना षेरिन रोस.के.जे, केरल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टीचर एज्यूकेशन, नेडुमंगाड, कुमारी अजीना. जे, सरकारी महिला कॉलेज, तिरुवनंतपुरम ने क्रमशः प्रथम (रु.2000/-) एवं द्वितीय (रु.1500/-) पुरस्कार हासिल किया। तृतीय पुरस्कार (रु.1000/-) के लिए श्री नंदु मुरली, एनएसएस हिंदु कॉलेज, चंगनाश्शेरी, कुमारी सुजिता.एल, एमजी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम और कुमारी विष्णुप्रिया.वी, सेंट थॉमस कॉलेज, पाला को चुन लिया गया। विद्यार्थियों के पुनर्निवेशन से यह मालूम हुआ कि यह कार्यक्रम उनको एकदम लाभदायक रहा।

हिंदी पखवाडा समारोह - एचएलएल केएफबी

श्री नटेश के, कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) & यूनिट मुख्य, केएफबी 16 सितंबर, 2022 को केएफबी में हिंदी पखवाडा समारोह का उद्घाटन करते हैं।

डॉ रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), एचएलएल केएफबी में हिंदी पखवाडा समारोह के सिलसिले में आयोजित प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार कर्मचारियों को वितरित करते हैं।

अखिल भारतीय तकनीकी सेमिनार

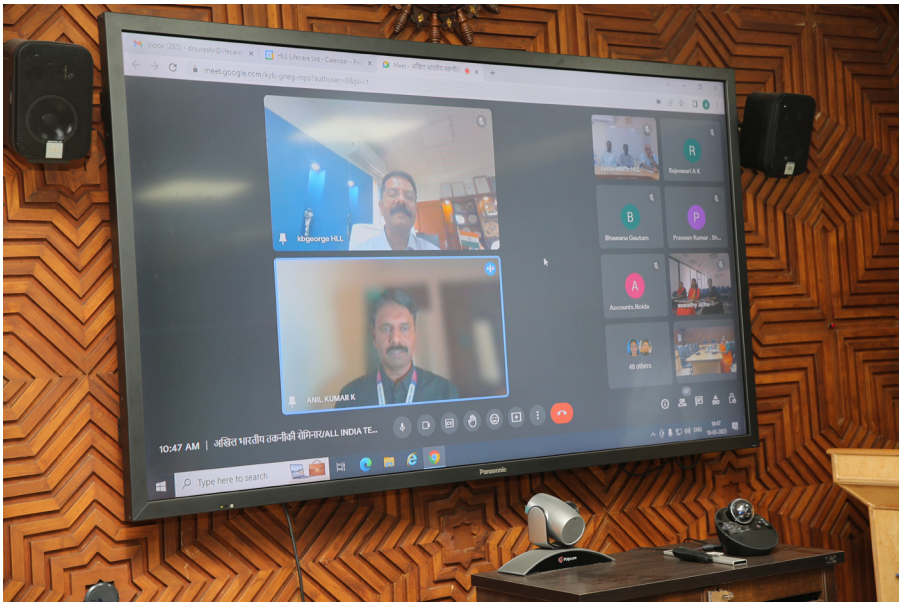

एचएलएल के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए विविध हिंदी सॉफ्टवेयरों को परिचित कराने की ओर निगमित मुख्यालय में 10.03.2023 को अखिल भारतीय तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने कहा कि तकनॉलजी का ज्ञान आज की माँग है, इसलिए नवीनतम तकनॉलजी हासिल करने से आप कंप्यूटर या मोबाइल के ज़रिये आसानी से अपना काम हिंदी में भी कर सकते हैं। आगे श्री अनिल कुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एस बी आई, कोयंबत्तूर ने ऑनलाइन के माध्यम से क्लास लिया। उन्होंने गूगिल एवं माइक्रोसॉफ्ट के ज़रिए हिंदी अनुवाद, वॉयस टाइपिंग, इंडिक की बोर्ड, एक्सल में हिंदी टाइपिंग, फोटो अनुवाद, मोबाइल मेसेजों की दूसरी भाषा में अनुवाद आदि बातों से कर्मचारियों को अवगत कराने की पूरी कोशिश की। इस कार्यक्रम में 90 कर्मचारियों की भागीदारी हुई। डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) एवं डॉ. सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद की भूमिका निभायी।

कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुवाद एक कला है। आज अनुवाद व्यक्ति की सामाजिक आवश्यकता बन गयी है। क्योंकि भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में विविध राज्यों के संस्कृति, रहन - सहन, खान - पान आदि से संबंधित जानकारी दूसरों तक पहूँचाने में अनुवाद की अहम भूमिका है। अनूदित पुस्तकों के माध्यम से हम भारत के मात्र नहीं अन्य राष्ट्रों के बारे में भी जान सकते हैं। इस प्रकार आज की माँग को मानते हुए स्नातक एवं स्नातकोत्तर कोर्स में हिंदी पढने वालों को अनुवाद के प्रति अवगत कराने के उद्देश्य से एचएलएल द्वारा 18.03.2023 को "अनुवाद की संभावनायें और सामान्य समस्यायें" विषय पर कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह एचएलएल की तरफ से कॉलेज विद्यार्थियों के लिए एक नया पहल है।

इस राज्य स्तरीय अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन एचएलएल के निदेशक (वित्त) डॉ.गीता शर्मा ने किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि राष्ट्र का भविष्य विद्यार्थियों के हाथों में निहित है। इसलिए विद्यार्थियों को राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में अधिक ध्यान देना चाहिए। इस क्षेत्र में विद्यार्थियों का योगदान सराहनीय होना चाहिए।

इतना ही नहीं, अनुवाद प्रशिक्षण उनके अध्ययन कार्य में भी शामिल है। अतः अनुवाद के बारे में उनकी शंकाओं का निवारण करना भी हमारा उद्देश्य था। ऑफलाइन/ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित इस कार्यक्रम के संकाय सदस्य थे डॉ.आई. सी. मिश्रा, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो से सेवानिवृत्त प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक एवं आई आई बी एस अकादमी बैंगलूर के हिंदी प्रोफसर। उन्होंने अनुवाद की विभिन्न पहलुओं को बताते हुए अनुवाद करते समय की समस्याओं को व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में केरल के विविध कॉलेजों से 102 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पहले डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) ने सबका स्वागत किया और अंत में डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) ने कृतज्ञता ज्ञापित किया। श्रीमती हेमा षाजी, हिंदी अधिकारी, एचएलएल हाइट्स ने कंपयरिंग का काम संभाला।

हिंदी पखवाड़ा समारोह

एचएलएल - मुंबई कार्यालय

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय भवन खारघर द्वारा दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा समारोह का आयोजन श्री हरि आर.पिल्लै, उप महा प्रबंधक (डब्लियु सी) एवं श्री अरुण गंगाधरण, वरिष्ठ प्रबंधक (एच सी एस) के पूरे समर्थन के साथ से सम्यक रूप से आयोजित किया गया। जिस पर दृष्टि डालें तो इस प्रकार हैं विविरण :-

सर्वप्रथम 14 सितंबर, 2022, सायं 4 बजे को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजभाषा अधिकारी द्वारा हिंदी दिवस भाषण के साथ राजभाषा संबंधी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों पर प्रकाश डाला गया। राजभाषा नियम एवं अधिनियम की चर्चा करते हुए सभी कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। सभी कार्मिकों द्वारा राजभाषा संबंधी प्रतिज्ञा ली गयी और ये सुनिश्चित किया गया कि सभी अपना हिंदी का कार्य रुचि के साथ करें।

हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह के बाद निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं जिनके विवरण नीचे दिए गए हैं:

1. हिंदी वाक्-पटुता कार्यक्रम - 14 सितंबर 2022

2. हिंदी निबंध प्रतियोगिता - 15 सितंबर 2022

प्रथम स्थान - श्रीमती वर्षा बालकृष्ण डेरे (इनवेंटरी एच सी एस)

द्वितीय स्थान - श्री अजित पिल्लै (प्रबंधक मानव संसाधन, एच सी एस)

तृतीय स्थान - कु.अंजुम खान (रिसेप्शनिस्ट)

3. वाद विवाद प्रतियोगिता - 20 सितंबर, 2022

1. श्री अजित पिल्लै (प्रबंधक मानवीय संसाधन एच सी एस)
2. श्रीमति रिधिना धुले (उप प्रबंधक खरीद विभाग एच सी एस)
3. कु. प्रियंका साहू (एम आई एस एच सी एस)
4. कु.मनाली डी पंडित (इनवेंडरी एच सी एस)

5. श्री आनंद इंगले (आई टी सहायक एच सी एस)

4. पाठ सारांश प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता - 22 सितंबर, 2022

प्रथम स्थान - श्री दिनेश साल्वी (खाता अधिकारी एच सी एस)

द्वितीय स्थान - श्री प्रशांत मोकाशी (वरिष्ठ बिक्री अधिकारी बी सी टी/ डब्लियु सी)

तृतीय स्थान - कु.काजल कांबले (खाता अधिकारी आर बी डी)

5. हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता - 23 सितंबर 2022

6. कविता पाठ प्रतियोगिता(स्वरचित/ प्रसिद्ध कवि द्वारा लिखित कविता)-27 सितंबर 2022

प्रथम स्थान - श्री कल्पित नरेश परब (खाता अधिकारी/आर बी डी)

द्वितीय स्थान - श्री ऋषिकेश नायगावंकर (खाता अधिकारी/आर बी डी)

तृतीय स्थान - कु.विद्या सैद (खाता सहायक/आर बी डी)

किसी कार्यालयीन असुविधा के कारण 28 सितंबर, 2022 को नियत हिंदी पखवाडा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण स्थगित करते हुए 28 अक्तूबर 2022 को आयोजित किया गया। श्री हरि.आर.पिल्लै उप महा प्रबंधक (डब्लियु सी) की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन स्वागत भाषण के साथ किया गया। राजभाषा अधिकारी द्वारा हिंदी पखवाड़े की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी एवं कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी श्री अरुण गंगाधरण, वरिष्ठ प्रबंधक (एच सी एस), श्री अक्षय झेंडे प्रबंधक वित्तीय विभाग, श्री अजित पिल्लै प्रबंधक मानवीय संसाधन (एच सी एस), डॉ.सलेश चंद्रन पी, प्रबंधक (एच सी एस), सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का कार्यक्रम में उपस्थित होने व निर्णायक मंडल का भाग बनने एवं सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया गया।

हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित करते हुए सभी विजेताओं को श्री हरि आर.पिल्लै उप महा प्रबंधक (डब्लियु सी) द्वारा पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। हमें यह बताने में खुशी है कि हिंदी प्रतियोगिताओं में कार्यालय से अधिकांश संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में राजभाषा अधिकारी द्वारा भी हिंदी पखवाड़े के संपूर्ण कार्य को सफल बनाने हेतु अधिकारियों के समर्थन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राजभाषा सेमिनार (कॉलेज विद्यार्थियों के लिए) में पुरस्कृत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

क्रिस्टीना षेरिन रोस.के.जे
के यु सी टी ई
नेडुमङाड

भारत सुनते ही हमारा मन गौरव से भर जाती है। भारत एक बहुत बडा देश है। भारत की सबसे बडी विशेषता उसकी विविधता है। भारत में विभिन्न तरह के लोग रहते हैं। विभिन्न भाषा बोलनेवाले, विभिन्न आचार संहिताओं को माननेवाला, विभिन्न प्रकार के वेशभूषा, खान-पान, रीति-रिवाज़ आदि माननेवाले, विभिन्न रंग रूपवाले जैसे न जाने कितने ही भेद -विभेद है। लेकिन इन हज़ारों विभिन्नताओं के बावजूद भी हम एक है। इसी विविधता में एकता की महत्वपूर्ण विशेषता भारत को अन्य देशों से विशेष बनाता है।

लेकिन कई सालों पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। भारत तब करीब 555 छोटे-छोटे राज्यों में बाँटा हुआ था और प्रत्येक देश के बीच में युद्ध होता था। अपने राज्य को विशाल बनाने के लिए ही ऐसा किया जाता था। तभी अन्य देशों के लोग विशेषकर अंग्रेज़ यहां आ गए और कुछ राज्य के राजाओं से मित्रता की संबंध बनाए और दूसरे राज्यों को हराने में उनके मदद करने लगे। यह उन लोगों की भारत पर कब्ज़ा पाने की एक कूटतंत्र था और उसमें वे कामयाब हुए भी। थोडी-थोडी करके वह भारत को अपने हथेली में दबोचते रहे। एक समय ऐसा आया कि भारतवासियों को अपने गुलामी का बोझ इतना भारी लगा कि वे जान चुडाना चाहा और इसी क्रम में कई आंदोलनों का शुरूआत हुआ।

इसी तरह का एक आंदोलन था महात्मा गाँधी जी के नेतृत्व में किया गया नमक सत्याग्रह। गाँधीजी एवं उनके साथियों ने नमक पर लगाए अंग्रेजी हुकुमत के विरोध में यात्रा निकाली जो सबरमती आश्रम से शुरू हुई थी। दण्डी के समुद्र किनारे में जाकर नमक बनाई थी। यह यात्रा चौबीस दिन चली थी और इसमें अस्सी लोग शामिल थे। आज जब हम आज़ादी की पचहत्तरवाँ साल मनाया रहे है तो माननीय प्रधानमंत्री जी श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस विशेष अवसर पर आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने का निर्णय लिया और पचहत्तर हफ्तों की विशेष आयोजनों का ऐलान कर दिया। यह प्रस्ताव सबरमती आश्रम में ही, नमक सत्याग्रह के शुरुआत के तौर पर की गयी दंडी यात्रा के दिन यानि तिथि पर ही किया गया था। अर्थात् 2021 मार्च 12 को उस दिन से 2023 के अगस्त 15 तक के पचहत्तर हफ्ते गिन लिया जाता है।

"आज़ादी का पचहत्तरवाँ साल इतने धूमधाम से मनाने के कुछ वजह भी है।'

1. यह 75-वाँ आज़ादी का साल है।

2. युवा पीढी को आज़ादी का अर्थ एवं महत्व समझाने के लिए।

3. 'आज़ादी को अपनाना होने' के बारे में जानना।

यह हमारा पचहत्तरवाँ स्वतंत्रता दिन है इसलिए इसे ज्यादा महत्व देकर मना रहे हैं और दूसरी एवं महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के पीढी के बच्चे जानते ही नहीं है कि आज़ादी का महत्व क्या है, अर्थ क्या है। उन्हें पता ही नहीं है कि कितने संघर्षों, कुर्बानियों एवं अनगिनत शहीदगियों के बाद ही हमें यह आज़ादी प्राप्त हुआ है। आज की पीढी गुलामी के दर्द से अज्ञात है और इसलिए भी आज़ादी को तुच्छ एवं हेय, नगण्य समझते हैं। उन्हें तो भारत के स्वतंत्र सेना के सेनानियों के बारे में पता भी नहीं है। उन्हें तो कुछ प्रमुख नेताओं के बारे में ही पता है। अन्य अनगिनत, लेकिन महत्वपूर्ण लोगों के बारे में पता ही नहीं है जिनके बिना स्वतंत्रता संग्राम अधूरा रह जाता ।

इस तरह पाए गए स्वतंत्रता के बाद इन पचहत्तर सालों में भारत ने कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। दूसरे देशों की तुलना में भारत कभी पीछे नहीं रह गया है। पूरी दुनिया को हिलानेवाली महामारी के समय में भी सबसे बडा वैक्सिन अभियान भारत ने ही चलाया था। इस तरह संघर्षों से गुज़रकर भारत से मुकाम पर पहूँचा है। अगर भविष्य भी इसी तरह खुशहाल रहना है तो संघर्ष जारी रखना होगा।

भारत के सामने आज कई चुनौतियाँ है जैसे- गरीबी, प्रदूषण, निरक्षरता, रिश्वत-खोरी, असमानता, लैंगिक भेदभाव, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, बेरोज़गारी, नशीली दवा/शराब का उपयोग, जातिवाद, क्षेत्रवाद, औरतों का निरादर। इस तरह कई चुनौतियाँ है। जिनका हमें समाधान ढूँढना है और इस तरह भारत के भविष्य को सुंदर बनाना है। लगभग सारी समस्याओं के समाधान शिक्षा ही है। इसलिए शिक्षा बहुत ज़रूरी है। इसकेलिए हमें क्या करना चाहिए। बदलाव तो व्यक्ति से ही शुरू होता है। इसके लिए हमें खुद को बदलना होगा। एक सुंदर भारत के लिए हमें देश भक्ति से ओतप्रोत रहना चाहिए। देश के हित में कार्य करना चाहिए। अन्याय के खिलाफ़ आवाज़ उठाना चाहिए और किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं सहना चाहिए। इस तरह हमें भारत के भविष्य को सुंदर बनाना है और आज़ादी को सही मायनों में मनाना है। आज से हमें इसी प्रयास में जुड़ना है।

उद्योग

विष्णु एल नाइक
बॉयलर ऑपरेटर
जीएपीएल

वर्तमान काल में उद्योग करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उद्योग कैसे शुरू करना चाहिए इसकी जानकारी अच्छी तरह से होना ज़रूरी है। जिस इंसान को उद्योग करना है, उसको उद्योग की जानकारी हासिल करना चाहिए। बाज़ार में कौन सा माल ज़्यादा खपत है उसके ऊपर अनुसंधान की ज़रूरत है। उद्योग केलिए कौन सा कच्चा माल है वह समय-समय पर अच्छी तरह से मिलना चाहिए। पक्का माल बनाने के लिए कौन -सी साधन सामग्री की ज़रूरत है, उनकी सूची तैयार करनी चाहिए।

कौन सा भी उद्योग शुरू करने के लिए पहले कच्चा-माल, मशीनरी, मशीनरी की देखभाल और चलाने के लिए आदमी,पानी, बीज, यातायात के लिए वाहन की ज़रूरत होती है। इसलिए पहले छोटा उद्योग शुरू करना चाहिए। उसमें से कुटीर उद्योग सबसे अच्छा है। जो कम जगह में घर पर शुरू कर सकता है। जिसमें अपने घर के सदस्यों को लेकर उनके काम के बारे में जानकारी देना चाहिए। कुटीर उद्योग में ज़्यादा मशीनों का उपयोग नहीं होता। हालांकि अब कुटीर उद्योग धीरे-धीरे नष्ट होते जा रहे हैं। चूँकी अब ऐसी कई सारी मशीनें बाज़ार में आ चुकी है, जिनके ज़रिए उत्पाद को कम समय में तथा सस्ता बनाया जा सकता है।

लेकिन आज भी हम इन मशीनों की तुलना उनके हाथों से नहीं कर सकते हैं। कुटीर उद्योग को शुरू करने के लिए अधिक निवेश की आवश्यकता नहीं होती है। आप इस उद्योग को 2,00000 से 2,50,000 लाख रुपये में शुरू कर सकते हैं। इस उद्योग के प्रति दिन 500 से 1000 रुपये कमाये जा सकते हैं। सरकार भी इन्हें समर्थन प्रदान करता है। अपने देश में भारत सरकार की ओर से समय पर कई प्रकार की लघु उद्योग से संबंधित योजनाएं चलाई जाती हैं ताकि लोगों को इसका उचित लाभ मिल सकें। बहुत से लोगों को तो इसके बारे में पता होता है। वे योजनाओं का लाभ लेकर खुद का विकास करते ही है और दूसरे लागों का भी किसी न किसी रूप में विकास करते हैं।

भारत सरकार की ओर से चलायी गई योजनाएं

1. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
2. प्रधानमंत्री रोज़गार योजना
3. प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन योजना
4. सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फण्ड योजना
5. क्रेडिट लिंक केपिटल सब्सिडी स्कीम
6. एम.एस.एम.ई
7. निजी क्षेत्र में लघु औद्योगिक आस्थान
8. कोल व्यवसाय
9. प्रदूषण नियंत्रण योजना
10. विपणन सहायता योजना
11. अलौह कच्चे माल की योजना
12. निगम की कच्चा माल लोह योजना
13. किराया क्रय अनुभाग की कार्य शैली
14. भदोही ऊनी धागाकालीन योजना

वर्तमान समय में लाखों लोगों ने अपने उद्योग शुरू किये है। उन्होंने सरकार द्वारा ऋण सब्सिडी या अन्य लाभ प्राप्त किया है। लघु उद्योगों की आवश्यकता सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग देश की संपूर्ण औद्योगिक अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं।

यह अनुमान किया जाता है कि मूल्य के अर्थ में यह क्षेत्र निर्माण की दृष्टि से **39%** एवं भारत के कुल निर्यात के **33%** के लिए जिम्मेदार है। इस क्षेत्र का लाभ यह है कि इसकी रोज़गार क्षमता न्यूनतम पूँजी लागत पर है। लघु उद्योगों की आवश्यकता देश को परंपरागत प्रतिभा व कला की रक्षा हेतु भी आवश्यक है।

गृह उद्योग की समस्याएं -1)

गृह उद्योग आदि महानगर में या वैसे किसी अन्य क्षेत्र में लगाएं तो कच्चा माल का प्रबंध करने की समस्या आती है।

2) यदि कच्चा माल दूर से लाना व तैयार माल दूर बेचने पडे तो परिवहन खर्च भी बढ जाता है।

3) इकट्ठा माल लाने और ले जाने के कारण आपको कच्चे माल में अधिक पूंजी भी लगानी पडती है।

4) कच्चा माल रखने एवं तैयार माल को सुरक्षित रखने के लिए भंडारण की समस्या आती है।

गृह उद्योग का महत्व -

गाँवों और छोटे कस्बों में रहनेवाले पढे-लिखे युवा-युवतियों आदि नौकरी की तलाश में नगरों में आकर धक्के खाने के स्थान पर अपने गाँव अथवा कस्बे में ही गृह उद्योग प्रारंभ करने लग जाएं तो हमारे देश का विकास तेजी से होगा।

किसी भी उद्योग या व्यापार के पंजीयन की प्रक्रिया व्यापार के स्वामी या स्वामियों पर निर्भर करता है। जैसे

1. एकल स्वामित्व फर्म

2. साझेदारी फर्म

3. प्राइवेट लिमिटेड

इसके अलावा जी.एस.टी, ग्राम पंचायत या नगरपालिका से व्यापार पंजीकरण, उद्योग आधार रजिस्ट्रेशन (एम.एस. एम.ई) इसके अतिरिक्त किसी अन्य पंजीकरण की आवश्यकता आपके द्वारा चुने गए व्यापार पर निर्भर करता है। जैसे फुड लाईसेंस (एफ.एस.एस.ए.आई) वायु और जल प्रदूषण परमिट, स्वास्थ्य विभाग परमिट, आयात -निर्यात लाईसेंस। आप जो भी उद्योग शुरू करना चाहते हैं, उसके बारे में अच्छे से अनुसंधान कर लेनी चाहिए, आपको यह पता कर लेना चाहिए कि आपके आसपास जो इंसान यह उद्योग कर रहा है, उसका मुनाफा कितना है या आप उस मुनाफा को कब तक और कितना बढा सकते हैं। आप जो उद्योग शुरू करने जा रहे हैं, उसके लिए आपको आगे जाकर क्या-क्या करना पड सकता है, यह जानना भी ज़रूरी है। वरन् बाद में आपको परेशानी उठानी पड सकती है। जैसे आपके आगे चलकर कितने रुपये लगाने पड सकते हैं, आपको कहीं दूर जाना भी पड सकता है।

अपना भारत देश अब काफी आगे बढ चुका है चाहे फिर वह किसी भी क्षेत्र की बात हो, यह जमाना बहुत ज्यादा प्रगति कर चुकी है। आजकल हर कोई कुछ ना कुछ नया करने की चाह में रहता है। हम सब अपने कदमों पर खडे होना चाहते हैं। इसके लिए व्यापार को सर्वश्रेष्ठ माध्यम माना गया है। अधिकतर लोगों ने स्वयं के व्यापार की सराहना की है और खुद के उद्योग की सहायता से ही कई लोगों ने अपने बहुत सारे सपनों को पूरा किया है। इसीलिए ऐसे बहुत से लोग हैं जो स्वयं का व्यापार शुरू करना चाहते हैं।

लघु उद्योग एक ऐसा उद्योग होता है, जिसे कोई भी आदमी बडी ही आसानी से और बडी सुगमता पूर्वक शुरू कर सकता है। बढती हुई बेरोज़गारी को देखते हुए वर्तमान समय में लघु उद्योग शुरू करना हर एक आदमी की इच्छा हो चुकी है और ज़्यादातर लोग अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए अपना उद्योग शुरू कर रहे हैं।

उद्योग ही एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर मुनाफा बहुत ही जल्दी होता है। हालाँकि हर बार आपको उद्योग शुरू करते ही बहुत पैसा नहीं मिलेगा। शुरुआती समय में आपको कुछ दिक्कतें आ सकती है। जैसे-जैसे आपका अनुभव बढेगा वैसे-वैसे आप अपने उद्योग को काफी अच्छे से संभालने के लिए सक्षम हो जाएंगे और एक उद्योगपति होंगे। वर्तमान समय मे यदि किसी आदमी का खुद का उद्योग है तो वह उद्योगपति माना जाता है। क्योंकि वर्तमान समय में उद्योग के क्षेत्र में देखी जा रही तरक्की को ध्यान में रखते हुए हर उद्योगपती को अच्छी उद्योगपती माना जाता है। चाहे वह लघु उद्योग करने वाला आदमी हो या फिर एक बडी आस्थापना का मालिक हो। वह एक अच्छा उद्योगपती होता है।

लेकिन अच्छी आस्थापना चलाने के लिए, जो आस्थापना का मुखिया जबाबदार आदमी होता है, पढा लिखा इंसान होना चाहिए। उस उद्योगपती को आस्थापना चलाने की अच्छी तरह से जानकारी होना चाहिए। आस्थापना का मालिक यदि अनपढ है तो आस्थापना का नुकसान हो जाएगा।

आस्थापना में काम करनेवाला हर इंसान को सरकारी नियमों के अनुसार **58** से **60** उम्र में निवृत्ती देना पडता है। क्योंकि जैसा-जैसा आदमी का उम्र बढता है उस इंसान का दिमाग अच्छी तरह से काम नहीं करता। उसको बुढापे में सक्त आराम की ज़रूरत होती है। इसलिए आस्थापना में काम करनेवाला हर इंसान को भारत सरकार ने उम्र का बंधन रख दिया है।

बढ़ती हुई जनसंख्या एक बड़ी सामाजिक समस्या

सुमन प्रभा
एम जी 6
एचएलएल - हाइट्स

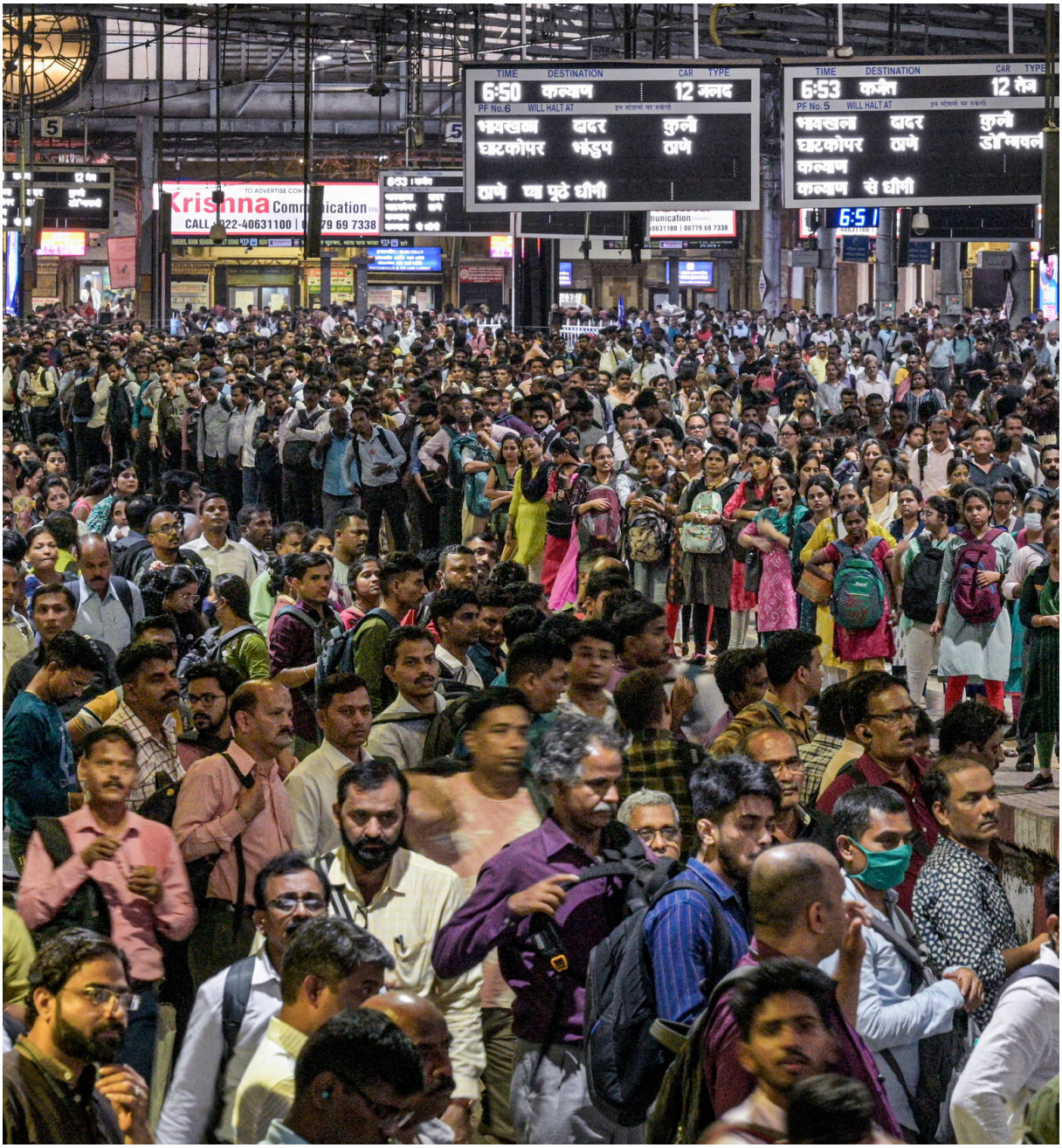

बढ़ती हुई जनसंख्या एक अभिशाप है, बढ़ती हुई जनसंख्या संसाधनों को खा रही है। औद्योगीकरण होने के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है व बढ़ती आवश्यक वस्तुओं की मांग पूरा करने के लिए मिलावट की जा रही हैं। जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही है। फिर भी जनसंख्या में बढ़ोत्तरी की गति को सीमित करने के लिए सभी नागरिकों के लिए समान नीति नहीं है। जनता की प्राथमिक आवश्यकताएं हैं - भोजन, वस्त्र, आवास,शिक्षा और रोज़गार। किंतु विश्व की आबादी के दो तिहाई भाग को भर पेट भोजन नहीं उपलब्ध है। हर वर्ष विश्व में करोड़ों लोग भूखे मर रहे हैं। उन्हें आवास के अभाव में खुले आसमान के नीचे चिलचिलाती धूप और तूफानी सर्दी को झेलना पड़ता है। वस्त्र,शिक्षा और रोज़गार का भी अधिकांश आबादी के लिए कोई प्रबंध नहीं हो पाया है। भारत में भी ये समस्याएं हैं। यहाँ की जनसंख्या के लिए भी जीवन की न्यूनतम आवश्यकताएं उपलब्ध नहीं हैं। इसका सर्वप्रमुख कारण निरंतर अबोध गति से बढ़ती हुई जनसंख्या है। इसे नियंत्रित करने के सारे प्रयत्न असफल सिद्ध हो रहे हैं। किंतु इस समस्या का समाधान खोजना अनिवार्य है, अन्यथा देश भीषण दुर्गति में फंस जाएगा। अरबों-खरबों की कल्याणकारी योजनाएं कार्यान्वित की जा रही है, लेकिन उनसे इच्छित लाभ नहीं प्राप्त हो रहा है। आवगमन के लिए रेल, बस और हवाई सेवा का बहुत विस्तार हुआ है। परंतु रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर यात्रियों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विद्यालयों-महाविद्यालयों की संख्या तिगुनी-चौगुनी बढ़ी है, फिर भी सभी छात्रों को प्रवेश नहीं मिल पाता है और बहुत बड़ी संख्या में छात्रों को शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों पर राशन का सामान लेने के लिए, भारी भीड़ लग रही है। नौ पंचवर्षीय योजनाओं को लागू कर जो विकास दर बढ़ती है, उससे पांच वर्षों में बढ़ी जनसंख्या सोख जाती है।

सरकार के प्रयास :- सरकार जी-तोड़ प्रयास कर रही है कि सभी को आवास सुलभ हो जाए। प्रति वर्ष लाखों घर बनाए जा रहे हैं, लेकिन आधे से अधिक लोग झुग्गी-झोपडियों और फुटपाथों को आवास बनाने के लिए विवश हैं। आज़ादी मिलने के **75** वर्ष बाद भी आधे से अधिक आबादी गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। पूरे देश को सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं भी नहीं उपलब्ध हैं। वातावरण के प्रदूषण से तरह-तरह के रोग फैल रहे हैं। लोगों में विक्षोभ बढ़ रहा है और उसकी अभिव्यक्ति हड़तालों, प्रदर्शनों, चक्काजाम आदि के रूप में हो रहा है। उपर्युक्त भयावह स्थिति को उत्पन्न करने में देश की बढ़ती आबादी का मुख्य हाथ है। बढ़ती आबादी देश के समक्ष विकट समस्या के रूप में खड़ी है। इस समस्या को नियंत्रित करना नितांत आवश्यक है। सरकार ने जनसंख्या की वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए 'परिवार नियोजन' नाम की योजना को लागू किया। लोगों को समझाया गया, 'दो या तीन बच्चे बस' नसबंदी कराने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप आर्थिक सहायता दी गई। स्त्रियों को गर्भनिरोधकों का प्रयोग करने की विधि बताई गई और मुफ्त में गर्भनिरोधकों का वितरण किया गया। किंतु इसका कोई उत्साहपूर्वक नतीजा नहीं निकला। एक परिवर्तन अवश्य हुआ है कि अब 'दो या तीन बच्चे बस' की जगह 'हम दो हमारे दो' का नारा चालू किया गया है। सरकारी कर्मचारियों में जिनके दो बच्चे हैं, उन्हें ही वेतन में एक अग्रिम बढ़ोत्तरी दी गई है और उन्हीं के बच्चों के लिए शिक्षा शुल्क दिया जा रहा है। ऐसा करने पर जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रम सफल होंगे। जनसंख्या की बढ़ोत्तरी पर नियंत्रण के लिए अपनाए गए कार्यक्रमों की असफलता के प्रमुख कारण हैं-शिक्षा का अभाव, धार्मिक परंपराएं, सामाजिक अंधविश्वास, बाल विवाह और बहु-विवाह। इन कारणों से उत्पन्न बाधाओं को स्पष्ट रूप में समझकर उनका निराकरण करने पर ही जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सकता है। भारत में कुल आबादी के लगभग **53%** लोग ही शिक्षित हैं। इस प्रतिशत में शहरी क्षेत्र का ही अंश अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रतिशत चालीस से अधिक नहीं हैं।गाँव

की महिलाओं में शिक्षा की कमी - बहुत कम अशिक्षित लोगों में वह क्षमता ही नहीं होती कि वे अपने और अपने बच्चों के सुंदर और सुखमय भविष्य के संबंध में कोई सुनिश्चित योजना बना सकें। अशिक्षित होने के कारण लोग संतुलित परिवार के लाभ को शंका की दृष्टि से देखते हैं और संतति निरोध संबंधी उपायों को नहीं अपनाते हैं। अतः ज़रूरी है कि लोगों को शिक्षित किया जाए। उन्हें जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित साहित्य पढ़ने-समझने को दिया जाए। इसी प्रकार उनमें जनसंख्या की वृद्धि से होने वाली कठिनाइयों और हानियों को समझने और उनसे मुक्ति पाने का विवेक जागेगा। सभी स्तरों पर विद्यार्थियों को जनसंख्या नियंत्रण की शिक्षा दी जाए। प्रौढ़ और अनौपचारिक शिक्षा में जनसंख्या वृद्धि की समस्या का ज्ञान कराया जाना चाहिए। शिक्षित समाज स्वतः अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को समझेगा और जनसंख्या की वृद्धि पर अंकुश लगाएगा। यद्यपि सरकार सभी को शिक्षित करने के लिए पुरजोर प्रयास कर रही है, फिर भी इसमें कई वर्ष लगेंगे। सरकार ने लड़कियों को कॉलेज स्तर तक निःशुल्क शिक्षा देने का फैसला किया है। यह योजना न केवल शिक्षा, अपितु जनसंख्या नियंत्रण के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी।

जनसंख्या वृद्धि का कारण :- जनसंख्या वृद्धि का एक बड़ा कारण समाज में प्रचलित धार्मिक परंपराएं हैं। धार्मिक रूढ़ि है कि बच्चे देना-लेना भगवान की मर्जी है। अतः उसमें मनुष्य का बाधा डालना ईश्वर के कार्य में हस्तक्षेप है। इस रूढि के कारण लोग गर्भनिरोधक के उपाय नहीं अपनाते हैं, भले एक दर्जन बच्चे हो जाएं। इसी तरह यह धार्मिक परंपरा भी प्रचलित है कि पुत्रवान् को ही स्वर्ग प्राप्त होता है। पुत्र शब्द का अर्थ है - पुंत नामक नरक से पिता का ऋण करने वाला। साथ ही भारत में पिता का उत्तराधिकारी पुत्र ही मान्य है। अतः स्वर्ग प्राप्ति और उत्तराधिकारी के लोभ में लोग अनेक पुत्रियों को जन्म देते हैं। कभी-कभी अंततः पुत्र की प्राप्ति भी हो जाती है। इस प्रकार की अनेक धार्मिक रूढियाँ और परंपराएं समाज में प्रचलित हैं, जिनके कारण वृद्धि होती हैं। अतः आवश्यक है कि ऐसी धार्मिक रूढियों से जन-सामान्य को मुक्त किया जाए। ऐसा होने पर जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रम की ओर लोगों का झुकाव होगा।

भारतीय समाज विविध प्रकार :- ऐसे लोगों को जब तक परंपरागत अंधविश्वासों से मुक्त नहीं किया जाता, तब तक वे लोग जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रमों को नहीं अपनाएंगे। अतः मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्र के पिछड़े वर्ग और निम्न वर्ग के बीच अभियान चलाकर उन्हें अंधविश्वासों से मुक्त किया जाए। अन्यथा ये वर्ग पूर्ववत् जनसंख्या वृद्धि का कारण बने रहेंगे।

जनसंख्या वृद्धि का एक बडा कारण बाल-विवाह और बहु-विवाह भी है। पिछड़ी जातियों में बाल-विवाह का

सिलसिला चालू है। इससे अपरिपक्व अवस्था से ही बच्चों का जन्म होने लगता है और वह लंबे समय तक जारी रहता है। जनसंख्या वृद्धि के उपर्युक्त कारणों का समाधान कर लेने पर जनसंख्या पर नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। इस कार्य में सरकारी प्रयास के साथ ही सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। देश की खुशहाली में जनसंख्या की बढ़ती को रोकने पर ही वृद्धि संभव है। अतः देश के सभी नागरिकों को

समवेत रूपमें इस कल्याणकारी कार्य में जुट जाना चाहिए। 'छोटा परिवार खुशियाँ अपार' अथवा 'छोटा परिवार सुखी परिवार' के नारे को सार्थक बनाना देश सेवा का प्रतीक है। द्वापर युग से ही आबादी बढ़ती थी उसी नियम से आज भी बढ़ती है। आज जनसंख्या जटिल समस्या बन गयी है। इसकी वृद्धि से अनेक समस्या उत्पन्न होती है। इस समस्या का दूसरा अंग बेकारी की समस्या है, बालविवाह, पुत्र की चाह, अशिक्षा, जानकारी का अभाव, सामाजिक एवं धार्मिक मान्यताएं इत्यादि। इन सभी कारणों को समूल नष्ट करना होगा। संभवतः इन उपायों से जनसंख्या वृद्धि पर रोक लग जाये। गरीबी बेरोज़गारी, पर्यावरण समस्या, भ्रष्टाचार आदि अनेक समस्याओं की जड़ यही है। इसके कारण नागरिकों का नैतिक पतन होता है। फलतः राष्ट्रीय चरित्र का पतन स्वाभाविक है। अर्थ व्यवस्था पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। सरकार द्वारा अनेक प्रयत्न किये गये हैं, जनसंचार द्वारा परिवार नियोजन के संबंध में व्यापक प्रचार कार्य किया गया है और निरंतर किया जा रहा है। जनसंख्या राष्ट्र की शक्ति भी कही जा सकती है। सरकार जन बल से बड़े-बड़े कार्यों को कम समय और कम खर्चों में आसानी से करवा सकती है। देश रक्षा तथा शांति व्यवस्था के लिए देश के पास उन्नत सेना तैयार हो सकती है। जनसंख्या अधिक होने से लाभ भी है। लेकिन आवश्यकता से अधिक जनसंख्या वृद्धि से लाभ कम हानि अधिक होती है। आज जनसंख्या की समस्या अत्यंत विकराल समस्या का रूप ले चुका है। इस समस्या से अनेक समस्याओं की उत्पत्ति हुई हैं। वर्षों से इस समस्या के समाधान के लिए अनेक उपाय किये जा रहे। अज्ञानता के कारण कुछ लोग विरोध करते थे क्योंकि जागरूकता का अभाव था। यदि समझ सकते तो आज इतनी भीषण स्थिति नहीं होती। जनसंख्या की लगातार वृद्धि से अनेकों समस्या से देश जूझ रहा है। सबसे मुख्य समस्या में है स्थान की समस्या। 100 लोगों के जगह में लाख लोगों के बढ़ने से समस्या होना स्वाभाविक ही है। गरीबी, बेरोज़गारी आदि अनेक समस्याओं से पीड़ित है देशवासी। समाधान के लिए सरकार प्रयासरत तो है ही, लेकिन वृद्धि से आशातीत सफलता नहीं मिल पा रही है। इसके लिए और भी ठोस कदम उठाना होगा। जनसंख्या की वृद्धि को कम करने के संबंध में 'बी के सूरज भाई' का विचार अत्यंत सराहनीय है, उनका कहना है कि जिस मानव को एक बच्चा हो उस बच्चे को सबसे पहले नौकरी देनी चाहिए। उसके बाद दूसरे को, उसके बाद तीन बच्चे वाले को, उसके बाद अन्य को। सूरज भाई का यह सुझाव अति उत्तम है। अगर इस सुझाव को मान्यता दे तो इस समस्या का समाधान शायद कुछ हद तक हो ही जाएगा।

देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह अनिवार्य है कि जनसंख्या की वृद्धि को रोकने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों प्रकार से प्रयत्न करना चाहिए। परिवार नियोजन और औषधियों का सेवन करना चाहिए। जिससे जनसंख्या की वृद्धि रोकी जा सकती है। सरकारी और गैर सरकारी दोनों ही स्तरों से इस समस्या के निवारण का प्रयास होना चाहिए। इस कार्य में तत्परता, ईमानदारी पूरे बल से जुटने की आवश्यकता है, अन्यथा इसकी वृद्धि से परिणाम भीषण और घातक हो सकता है। सरकार के साथ हर मानव को जागरूक होना पड़ेगा। सरकार सदा इस समस्या के समाधान हेतु प्रयत्नशील रही है। अनेक स्वयंसेवी संस्थायें इस समस्या के निदान हेतु कार्यरत हैं। सरकार द्वारा विवाह की आयु निर्धारित किये गए हैं। बाल विवाह पर रोक लगाया गया, दण्ड का भी प्रावधान किया गया है। जिस परिवार में केवल एक बेटी है, उस बेटी के लिए अनेक सुविधाएं दी गई हैं। देश के नागरिक जब तक इस समस्या में सहयोग नहीं करेंगे तब तक इस समस्या का समाधान कठिन है। सरकार के साथ हर मानव को जागरूक होना पड़ेगा। यदि सब मिलकर ध्यान देंगे तो पर्यावरण की समस्या, बेरोज़गारी की समस्या, स्थान की समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अतः जागरूकता की आवश्यकता है।

हार्दिक बधाइयाँ

डॉ अनिता तंपी, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) आक्कुलम फैक्टरी की ओर से सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार 04 मार्च 2023 को श्री वी. शिवनकुट्टी, माननीय शिक्षा एवं श्रम मंत्री, केरल सरकार से हासिल करती हैं। श्री मुकंद आर महा प्रबंधक(प्रचालन) और यूनिट मुख्य को भी देखा जाता है।

श्री देवन रामचंद्रन, माननीय न्यायाधीश, केरल उच्च न्यायालय ने 04 मार्च 2023 को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (केरल चैप्टर) द्वारा संस्थापित बहुत बडी श्रेणी में उत्कृष्ट सुरक्षा निष्पादन के लिए ''श्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार' पीएफटी को प्रदान किया।

श्री गोकुल वी बाबु, प्रबंधक (सुरक्षा एवं पर्यावरण), पीएफटी वर्ष 2022 के लिए ''सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा अधिकारी'' पुरस्कार हासिल करता है।

श्री राजकिरण डी, अधिकारी - 2 (डिज़ाइ एवं एस्टिमेशन), पीएफटी वर्ष के लिए ''सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा पर्यवेक्षक'' पुरस्कार स्वीकार करता है।

ताज़ा खबर

पेरूरकडा फैक्टरी में 19 अक्तूबर 2022 को आयोजित 'नो टु ड्रग्स" अभियान।

श्री के. बेजी जोर्ज आईआरटीएस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 31 अक्तूबर 2022 को कॉरपोरेट मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के सिलसिले में आयोजित सतर्कता जागरूकता प्रतिज्ञा का प्रबंधन करते हैं।

गेल्स एचएसएस पेरूरकडा में 18 अक्तूबर 2022 को आयोजित अग्नि एवं सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

पेरूरकडा फैक्टरी में 11 अक्तूबर 2022 को आयोजित स्तन कैंसर जागरूकता पर भाषण।

श्री मुकुंद आर, संयुक्त महा प्रबंधक (प्रचालन) और यूनिट मुख्य 31 अक्टूबर 2022 को आक्कुलम फैक्टरी में सतर्कता जागरूकता प्रतिज्ञा का संचालन करते हैं।

श्रीमती स्मिता एल जी, महा प्रबंधक (प्रचालन) & यूनिट मुख्य 24 नवंबर 2022 को सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में तिरुवनंतपुरम चेशायर होम के प्रशासनिक अधिकारी को पेरूरकडा फैक्टरी द्वारा सहायता देती हैं। श्री प्रवीण पी, महा प्रबंधक (मानव संसाधन) को भी देखा जाता है।

केरल के नेय्याट्टिनकरा जनरल अस्पताल में हिंदलैब्स के 7वाँ सी टी स्कान सेंटर का उद्घाटन केरल के परिवहन मंत्री श्री (एड्वोकेट) आंटणी राजु द्वारा किया गया। श्री अनसलन, एमएलए नेय्याट्टिनकरा और श्री ए. जयकुमार, उप महा प्रबंधक (परियोजना & प्रापण) को भी देखा जाता है।

हिंदलैब्स ने अपनी नई नैदानिक लेबोरटरी बालरामपुरम, तिरुवनंतपुरम में खोली।

पेरूरकडा फैक्टरी के आइडियल सेइफ फोरम ने 17 नवंबर 2022 को सरकारी मानसिक अस्पताल पेरूरकडा तिरुवनंतपुरम के निवासियों के लिए कपड़े वितरित किये।

मिगो इको सेइफ फोरम, भंडार विभाग, पेरूरकडा फैक्ट री ने 14 नवंबर 2022 को जेएनसीएमडब्लियु सेंटर में डायबेटिक डे टॉक का आयोजन किया। श्रीमती उमा कल्याणी, पंजीकृत डायटीशियन एवं योगा प्रशिक्षक ने सत्र का संचालन किया।

एचएलएल ने 12 दिसंबर 2022 को सरकारी तालुक अस्पताल, फोर्ट कोच्चि में एकीकृत नैदानिक सुविधा के कार्यान्वयन के लिए कोचिन नगर निगम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। श्री अब्दुल खदीर - आईआरपीएस, सचिव और टी के अशरफ, स्वास्थ्य स्थायी समिति के अध्यक्ष, श्री अजीत एन (उपाध्यक्ष, विपणन) और श्री जोसफ सावी के जे (उप उपाध्यक्ष - एचसीएस & बीएच), डॉ राजमोहन जी (उप उपाध्यक्ष - एमएलपी) और डॉ रेजी कृष्णा (वरिष्ठ प्रबंधक) और चियान कृष्णन (प्रबंधक - एल ओ) को देखा जाता है।

डॉ अनिता तंपी, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) और श्री एन. सेंतिल कुमार, कार्यपालक निदेशक उत्तरी क्षे-त्र पाइपलाइन्स, आईओसीएल ने 09 दिसंबर 2022 को गरिमा - मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन परियोजना के आयोजन के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयु) का आदान-प्रदान किया।

श्री टी राजशेखर, निदेशक (विपणन) और डॉ. गीता शर्मा, निदेशक (वित्त) - 02 दिसंबर 2022 को ''दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस'' के सिलसिले में चेशयर होम को किराने का सामान व अन्य खाद्य पदार्थ देते हैं।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वर्ष 2022 - 23 के लिए एचएलएल के सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में 20 दिसंबर 2022 को सरकारी मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, पेरूरकडा, तिरुवनंतपुरम के नवीनीकृत पुरुष वार्ड का उद्घाटन करते हैं।

सरकारी मानसिक अस्पताल, पेरूरकडा के निवासियों के लिए 20 दिसंबर 2022 को वालसल्या द्वारा दावत की व्यवस्था की गई।

कनगला फैक्टरी निपानी के एचआईवी प्रभावित बच्चों के लिए श्री बसवगोपाल अनाथालय को फर्नीचर दान किया।

विंग्स क्लब के कार्यकलाप

रिक्रियेशन क्लब के कार्यकलाप

पुरस्कार वितरण

श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल और डॉ. बिजु जेकब आई ए **&** ए एस, प्रधान महालेखाकार द्वारा पुरस्कार वितरित किये जाते हैं।

वाक्पटुता कार्यक्रम के विजेता

स्मरण परीक्षा के विजेता

पारंगत परीक्षा के विजेता

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता

आप का समय ।
आप का स्थान ।
आप का मूड्स ।

मूड्स रातभर कंडोम

मूड्स
कंडोम

एक नये दृष्टिकोण की ओर
40% छूट
एचएलएल ऑप्टिकल्स
एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम
सरकारी नेत्र अस्पताल, तिरुवनंतपुरम, दूरभाष : 0471 2306966